Dr. Madan Paswan, History. | Lecture No. 24. (1)

Class: B.A. Part-II (Hons.) P-IIIrd. | Date: 21.09.2020

Topic: Consolidation of Turkish Rule - Razia.

Continue.....

अप्रैल 1240 ई० में अल्तूनिया के विद्रोह को दबाने के लिए रजिया ने राजधानी का प्रशासन, मलिक याकूत को सौंपकर तबरहिंद की ओर प्रस्थान किया। रजिया के राजधानी से दूर जाते ही तुर्क अमीरों ने, जो गुप्त रूप से अल्तूनिया का समर्थन कर रहे थे, याकूत की हत्या कर दी और रजिया को बन्दी बना लिया। दिल्ली स्थित तुर्क अमीरों ने मुइजुद्दीन बहरामशाह को गद्दी पर बैठाया। अल्तूनिया से विवाह करके रजिया ने फिर एक बार शक्ति प्राप्त करने का असफल प्रयास किया। अल्तूनिया को मलिक इख्तियारुद्दीन को नायबे-ममलिकत का पद मिलने पर आपत्ति थी। बहरामशाह ने दोनों को हरा दिया और कैथल के पास उनकी हत्या कर दी।

रजिया के शासनकाल की एक महत्वपूर्ण घटना नूर तुर्क के नेतृत्व में करामातियों का आक्रमण था। इस घटना का वर्णन मिनहाज ने किया है। मिनहाज के अनुसार रजिया ने 3 वर्ष, 6 माह और 6 दिन तक शासन किया। उनके शब्दों में, "सुल्तान रजिया एक महान शासक थी -

(1) बुद्धिमान,

(2) न्यायप्रिय,

(3) उदारचित और

(4) महान शासक थी - (1) बुद्धिमान, न्यायप्रिय के साथ-साथ (2) उदारचित और प्रजा की शुभचिंतक, समदृष्टा, प्रजापालक और अपनी सेनाओं का नेता। उसमें सभी बादशाही गुण विद्यमान थे - (1) सिवाय नारीत्व के और (2) इसी कारण मर्दों की दृष्टि में उसके सब गुण बेकार थे।"

वह निस्संदेह इल्तुतमिश के उत्तराधिकारियों में सबसे योग्य और प्रशंसनीय गुणों से युक्त थी। ईश्वर टोपा का विचार है कि उसके अनुचित कार्यों ने तुर्की दल की प्रतिष्ठा को आघात पहुँचाया और उसके प्रिय समर्थकों तथा हितैषियों को उसका विरोधी बना दिया। रजिया-याकूत के सम्बन्ध - 'चालीसा' के लिए असहनीय थे, जिन्हें रजिया द्वारा अपमान और अवहेलना झेलनी पड़ी थी। और इसी

Contd-

कारण उसके राज्य का विनाशकारी अन्त हुआ।

निजामी का विचार है कि रजिया का स्वयं शासन संभालने तथा अतुर्क अमीरों के एक दल को संगठित करने का प्रयास उसके विनाश का कारण बना। रजिया का अन्त तुर्क मलिक और अमीरों की असफलता थी। इसके बाद 'चालीसा' के दल ने सुल्तानों को चुनने और पदच्युत करने का अधिकार पूर्णतः अपने हाथ में ले लिया। सुल्तान अब केवल कठपुतली बनकर रह गया, जो पूर्णतः इन चालीसा की कृपा पर निर्भर था।

— Dr. Madan Paswan, D.B. College Jaynagar.
Madhubani., History Department.